an>

Title: Need to create employment opportunities in agriculture, food processing, medicinal plants and other forest produce in Uttarakhand.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार) : सम्पूर्ण हिमालयी क्षेत्र सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिमालय क्षेत्र पूर्वोत्तर के राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर के अलावा पश्चिम बंगाल का पर्वतीय क्षेत्र है। पिछले कुछ दशकों से समूचा पर्वतीय क्षेत्र गंभीर बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा है। अनियंत्रित पलायन से जहां एक ओर हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ है, वहीं दूसरी ओर हमारी संस्कृति के संरक्षण और संवर्द्धन के प्रयासों को प्रत्याशित क्षति हो रही है। पलायन का मूल कारण पर्वतीय क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की भारी कमी है। मौसम परिवर्तन, मूलभूत सुविधाओं का नितांत अभाव तथा समय-समय पर आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदा ने क्षेत्र के लोगों की कमर ही तोड़ दी है। केदारनाथ की भयावह त्रासदी तथा उसके उपरांत नेपाल में आया भूकंप इसका जीता जागता प्रमाण है।

मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि देश और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हिमालय क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उस क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ कौशल विकास के कार्यक्रम चलाएं जो स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप हों। पर्वतीय क्षेत्र में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, जड़ी-बूटी उत्पादन, ऑर्गेनिक खेती, फल, मशरूम उत्पादन, फ्लोरीकल्चर एवं वन आधारित उद्योग पर आधारित रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं ताकि इस गंभीर समस्या से निजात मिल सके और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।